

वादित्र पुं. (तत्.) वाद्य यंत्र, बाजा।

वादी वि. (तत्.) बोलने वाला (व्यक्ति), विवाद करने वाला, बाजा बजाने वाला, न्यायालय में अभियोग प्रस्तुत करने वाला टि. इसके लिए मुद्दई शब्द का प्रयोग भी होता है।

वादी स्त्री. (तत्.) नदी का तट, तटीय प्रदेश, घाटी, जंगल।

वादीस्वर पुं. (तत्.) (संगीत) किसी राग में प्रयुक्त स्वरों का प्रमुख स्वर जो अन्य स्वरों की अपेक्षा अधिक बार लिया जाता है।

वाद्य पुं. (तत्.) बजाया जाने वाला यंत्र, बाजा, सुषिर, अवनद्ध, घन- ये चार प्रकार के वाद्य होते हैं।

वाद्यवृंद पुं. (तत्.) वाद्य यंत्रों का समूह (अंग्रेजी में वाद्यवृंद के लिए आर्केस्ट्रा शब्द का प्रयोग होता है)।

वान पुं. (तद्.) खाट बुनने की रस्सी, बुनने की क्रिया।

वानक वि. (तत्.) वह ब्रह्मचारी जो वन या अरण्य में वास करता है।

वानर पुं. (तत्.) बंदर, कपि।

वानस्पतिक वि. (तत्.) वनस्पति से संबंधित, वनस्पति से बना या होने वाला जैसे- वानस्पतिक उद्यान, वानस्पतिक संग्रह आदि।

वानस्पत्य पुं. (तत्.) वह वनस्पति या वृक्ष जिसमें मंजरी लगने पर फलोद्गम होता है।

वानिकी स्त्री. (तत्.) वन से संबंधित विद्या जिसमें वन के विकास और संरक्षण की बात हो।

वानीर पुं. (तत्.) वेत्रलता, बेंत या बेंत की लकड़ी।

वाप पुं. (तत्.) वपन या बोने की क्रिया टि. बीज वपन की क्रिया को बीजवाप कहते हैं।

वापक वि. (तत्.) वपन करने वाला, बीज बोने वाला।

वापन पुं. (तत्.) बीज बोना, किसी के द्वारा बीज बोने का कार्य करवाना।

वापस वि. (फा.) जाने के बाद लौटकर आना।

वापसी वि. (फा.) वापस आने से संबंधित स्त्री. वापस आने या जाने की क्रिया, भाव, प्रत्यावर्तन।

वापिका/वापी स्त्री. (तत्.) 1. बावड़ी, पानी का छोटा सोता (स्रोत), छोटा तालाब, कुआँ जिसमें नीचे उतरकर पानी लिया जाता है 2. एक समवर्णिक छंद।

वाप्य वि. (तत्.) वपन करने योग्य या बोए जाने योग्य, बीज जो बोने योग्य हो, बावड़ी का जल, बोया हुआ अन्न का बीज।

वाम वि. (तत्.) 1. बायाँ भाग 2. बायें भाग में जो हो 3. विपरीत या प्रतिकूल 4. बुरा 5. सहानुभूति रहित 6. अधम 7. एक प्रकार का छंद मुहा. विधाता वाम होना- भाग्य विपरीत होना।

वामकी वि. (तत्.) 1. प्रतिकूल (स्त्री) 2. तांत्रिक देवी जिसका पूजन जादूगर करते हैं।

वामदेव पुं. (तत्.) शिव या महादेव।

वामन वि. (तत्.) 1. लघुकाय, बौने आकार का व्यक्ति 2. विष्णु का एक अवतार, वामनावतार, वामनावतार में विष्णु, कश्यप और अदिति के पुत्र थे, और बौने आकार के ब्रह्मचारी के रूप में राजा बलि से उन्होंने दान में उनके राज्य की भूमि माँगी तो बलि की स्वीकृति पर विष्णु ने अपने शरीर को विराट् किया, विराट् शरीर से विष्णु ने एक पग में संपूर्ण पृथ्वी तथा दूसरे पग में सब अंतरिक्ष नाप लिया। तीसरे पग की भूमि के बदले बलि ने स्वयं को समर्पित कर दिया। इस प्रकार बलि का संपूर्ण राज्य लेकर वामन ने बलि को पाताल लोक भेज दिया, जहाँ वे स्वयं उनके प्रहरी रहेंगे ऐसा आश्वासन दिया।

वामपंथ पुं. (तत्.) ऐसा मत जिसमें क्रांतिकारी या गरम विचारों की प्रमुखता हो, वामपंथ में मार्क्सवादी विचारों की प्रमुखता वाले व्यक्तियों का अस्तित्व होता है।